Press Release

TATA POWER-DDL

गुरुवार, 7 मार्च, 2024 **तत्काल प्रकाशनार्थ**

नई दिल्ली

टाटा पावर-डीडीएल ने की बिजली चोरी के मामलों और काटे गए कनेक्शनों के तत्काल निपटारे के लिए शनिवार, 9 मार्च को 'राष्ट्रीय लोक अदालत' आयोजित करने की घोषणा

पीएलए-1, सब-स्टेशन बिल्डिंग 2/13, रोहिणी, दिल्ली (वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल के नज़दीक) में किया जाएगा

लोक अदालत का आयोजन

नॉर्थ दिल्ली में 7 मिलियन की आबादी को बिजली सप्लाई करने वाली अग्रणी पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल ने आगामी शनिवार, 9 मार्च को सवेरे 10.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे के दौरान, दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के साथ मिलकर एक 'राष्ट्रीय लोक अदालत' का आयोजन पीएलए-1, सब-स्टेशन बिल्डिंग 2/13, रोहिणी, दिल्ली (वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल के नज़दीक) में करने की घोषणा की है। इस अदालत में, बिजली चोरी के मामलों और काटे गए कनेक्शनों का तत्काल निपटान किया जाएगा।

आगामी लोक अदालत में भाग लेने के इच्छुक लोगों को 19124 डायल कर या eac.care@tatapower-ddl.com पर ईमेल भेजकर लोक अदालत के लिए रजिस्टर करना होगा। शिकायतकर्ताओं को लोक अदालत में अपनी फोटो आईडी और बिजली चोरी संबंधी बिल की प्रतिलिपि के साथ आना होगा।

उपभोक्ता इस अवसर का लाभ उठाकर अपने बिजली चोरी के मामलों और काटे गए कनेक्शन के मामलों से संबंधित बकाया का निपटारा करना चाहते हैं वे इस अवसर का उपयोग अनसुलझे मामलों के सौहार्दपूर्ण और तत्काल निपटान के लिए कर सकते हैं। यदि उपभोक्ता बिजली चोरी बिलों/मामलों का निपटान करने में असफल रहते हैं, तो कंपनी उनके खिलाफ विद्युत अधिनियम, 2003 और डीईआरसी विनियम के तहत् आपराधिक/सिविल कार्यवाही मामला दायर कर सकते हैं। उपभोक्ता बिलों का भुगतान

डिमांड ड्राफ्ट, चेक, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, ऑनलाइन माध्यमों या कैश के जरिए कर सकते हैं।

टाटा पावर-डीडीएल इस लोक अदालत को सफल बनाने के लिए विभिन्न चैनलों के माध्यम से उपभोक्ताओं को इस बारे में जानकारी दे रही है।

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में

टाटा पावर-डीडीएल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार और टाटा पावर का ज्वाइंट वैंचर है। कंपनी नॉर्थ दिल्ली में करीब 7 मिलियन की आबादी के लिए पावर सप्लाई करती है। टाटा पावर-डीडीएल बिजली वितरण के क्षेत्र में सुधारों के स्तर पर अग्रणी है और इसे उपभोक्ता केंद्रित व्यवहारों के लिए जाना जाता है। निजीकरण के बाद से टाटा पावर-डीडीएल के वितरण इलाकों में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी आयी है। और सभी वर्टिकल्स में एडवांस्ड टैक्नोलॉजी अपनाकर बिजली वितरण के परिदृश्य में व्यापक बदलाव लया है। वर्तमान में एटीएंडसी नुकसान 6.34% है, जिसमें जुलाई 2002 में 53% के शुरुआती नुकसान में अप्रत्याशित कमी आई है। और जानकारी के लिए देखें: www.tatapower-ddl.com

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

Corporate Communications:

Sonia Sarin (9910292599)

Slough PR:

Abhishek Anand (9711061540)